भारत में आर्थिक नियोजन (योजना आयोग के पूर्व की स्थिति से लेकर अवसान तक के विशेष सन्दर्भ में)

निधि वर्मा

सर्वप्रथम विश्व में पहली बार राष्ट्रीय नियोजन का विचार सोवियत संघ ने रखा था। 1928 में प्रथम सोवियत योजना (नियोजन) पाँच वर्षों की अवधि के लिए प्रारम्भ किया गया था। बाहरी विश्व सोवियत संघ के विकास के इस तरीके से अनभिज्ञ था। जब 1920 तथा 1930 के दशक में पूर्वी यूरोपीय देशों के अर्थशास्त्रियों ने ब्रिटेन तथा अमेरिका में पलायन किया तब दुनिया को आर्थिक नियोजन या राष्ट्रीय नियोजन के बारें में जानकारी मिली। आर्थिक नियोजन की प्रक्रिया का प्रभाव यह हुआ कि तत्कालीन समस्त औपनिवेशिक विश्व तथा लोकतान्त्रिक देश आर्थिक विकास का प्रमुख औजार आर्थिक नियोजन को ही मानने लगे। ब्रिटिश शासित राष्ट्र भारत भी इससे अछूता ना रहा। 1930 के दशक में भारत में राष्ट्रवादी, पूंजीवादी, समाजवादी, लोकतन्त्रवादी तथा अन्य विचारधाराओं से सम्बन्धित समुदाय किसी न किसी तरह भारत के लिए आर्थिक नियोजन की परम आवश्यकता पर बल देते नजर आये। इस प्रकार स्वतंत्रता पूर्व ही यह निश्चित हो गया था कि भारत एक नियोजित अर्थव्यवस्था वाला देश होगा।